Roll No. .....

D–3383

M. A. (Previous) EXAMINATION, 2020

HINDI

Paper Second

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 100*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 30

(क) हेम हंस तन धरिय। बिपन मद्धे विश्राम लिय॥
दिब्य तास शशिव्रत। अतिहि आचरिज्ज मान जिय॥
बल कर गहिय सु तथ्य। हत्थ लै करि तिहि पुच्छिय॥
कवन देव तुम थान। कवन माया तन आच्छिय॥
उच्चरयौ हंस ससिव्रत सम। मति प्रधान गन्धर्व हम॥
सुरराज काज भाए करन। तीन लोक हम बा लगान॥

अथवा

देख-देख राधा रूप अपार, अपुरुष के बिहि आनि।
मिलाओल, खिति-तल लावनि-सार।
अंगहि अंग अनंग मुरछायत हेरए पड़ए अधीर।
मनमथ कोटि मथन करू जै जन, से हेरि महि मधि गीर।
कत-कत लखिमी-चरन तल ने ओछाए रंगिनि हेरि विभोरि।
कऊ अभिलाख मनहिं पद पंकज, अहोनिसि कोइ अगोरि।

(ख) काहे री नलनी तूँ कुमिलाँनी, तेरे ही नालि सरोवर पानी।
जल में उत्पत्ति जल में वास, जल में नलनी तोर निवास॥
ना तलि तपति न ऊपरि आगि, तोर हेतु कहु कासानि लागि।
कहै कबीर जे उदिक समान, ते नहीं मुए हमारे जान॥

अथवा

बिन गोपाल बैरिन भई कुंजै।
तब ये लता लगति अति सीतल, अब भई विषम ज्वाल की पुंजैं॥
वृथा बहति जमुना खग बोलत, वृथा कमल फूलैं, अलि गुंजैं।
पवन पानि घनसार संजीवनी, दधिसुत किरन भानु भई भुंजैं॥
ऐ ऊधौ कहियो माधव सौ, विरह कवन करि मारत लुंजैं।
सूरदास प्रभु को मग जोवत, अँखियाँ भई बरन ज्यों गुंजैं॥

(ग) कह लंकेस कवन तैं कीसा! केहि के बल घालेहि बन खीसा॥
की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखऊँ अति असंक सठ तोही॥
मारे निसिचर केहि अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा॥
सुनु रावन ब्रह्मांड निकाया। पाइ जासु बल बिरचति माया॥
जाकें बल बिरंचि हरि ईसा। पालत सृजत हरत दससीसा॥
जा बल सीस धरत सहसानन। अंडकोस समेत गिरि कानन॥
धरइ जो बिबिध देह सुरश्राता। तुम्ह से सठन्ह सिखावन दाता॥
हर को दंड कठिन जेहि भंजा। तेहि समेत नृप दल मद गंजा॥

अथवा

कहलाने एकत बसत अहि मयूर, मृग बाघ।
जगतु तपोवन सौ कियौ, दीरघ दाघ निदाघ॥
बैठि रही अति सघन वन, पैठि सदन-तन माँह।
देखि दुपहरी जेठ की, छाँहौं चाहति छाँह॥

2. 'पृथ्वीराज रासो' के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

"विद्यापति शृंगार और भक्ति के कवि माने जाते हैं।" उक्त कथन की पुष्टि कीजिए।

अथवा

"कबीर एक सच्चे समाज सुधारक थे।" उक्त कथन को प्रमाणित कीजिए।

3. "सूरदास के काव्य में जितनी सहृदयता एवं भावुकता है उतनी ही चतुरता और वाग्विदग्धता भी है।" इस कथन की सप्रमाण विवेचना कीजिए। 15

अथवा

तुलसीदास की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

मुक्तक काव्य परम्परा में बिहारी के योगदान को उदाहरण सहित समझाइए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणयाँ लिखिए : प्रत्येक 4
   (i) भूषण की राष्ट्रीयता
   (ii) मीरा की भक्ति-भावना
   (iii) रसखान—प्रेम और सौन्दर्य का चित्रण
   (iv) पद्माकर का प्रकृति-चित्रण
   (v) रहीम के काव्य में जीवनदर्शन
   (vi) केशवदास का साहित्यिक परिचय
   (vii) रैदास की निर्गुण भक्ति

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **बीस** के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : प्रत्येक 1
   (i) 'मैथिल कोकिल' किसे कहते हैं ?
   (ii) 'प्रेम वाटिका' किसकी रचना है ?
   (iii) 'भावविलास' एवं 'रासविलास' के रचनाकार कौन हैं ?

(iv) पद्मावती किस काव्यरचना की नायिका है ?

(v) 'कीर्तिलता' के रचनाकार का नाम बताइए।

(vi) रहीम का पूरा नाम लिखिए।

(vii) 'कठिन काव्य का प्रेत' किस कवि को कहा जाता है ?

(viii) भूषण के आश्रयदाता राजा का नाम लिखिए।

(ix) 'गंगा लहरी' किस कवि की रचना है ?

(x) 'पुष्टिमार्ग का जहाज' किस कवि को कहा जाता है ?

(xi) 'उद्धव शतक' किसकी रचना है ?

(xii) 'सूरसागर' की भाषा क्या है ?

(xiii) कबीर का जन्म उत्तर प्रदेश के किस स्थान पर हुआ ?

(xiv) 'रामचरितमानस' की रचना का समय क्या है ?

(xv) 'हिम्मत बहादूर बिरदावली' किसकी रचना है ?

(xvi) तुलसीदास के बचपन का नाम क्या था ?

(xvii) भूषण कवि की **दो** रचनाओं के नाम लिखिए।

(xviii) कवि देव का पूरा नाम क्या था ?

(xix) रीतिसिद्ध काव्यधारा के प्रमुख कवि का नाम लिखिए।

(xx) चन्दबरदाई ने किस 'रासो' काव्य की रचना की ?

(xxi) रत्नावली किस कवि की पत्नी थी ?

(xxii) 'प्रभुजी तुम चन्दन हम पानी' किस कवि के पद की पंक्ति है ?

(xxiii) सुजान किस कवि की नायिका है ?

(xxiv) रैदास के गुरु का नाम बताइए।

(xxv) हृदयहीन कवि की उपमा किस कवि को दी गई है ?